CBSE Class 11 Economics Important Questions Chapter 5 भारत में मानव पूँजी का निर्माण

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
मानव पूंजी किसे कहते हैं?
उत्तर:
किसी देश में कुशल, शिक्षित तथा प्रशिक्षित मानवीय संसाधनों को मानव पूँजी कहते हैं।

प्रश्न 2.
भारत सरकार ने 86वें संविधान संशोधन द्वारा किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए
निःशुल्क शिक्षा का अधिकार घोषित किया है?
उत्तर:
6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए।

प्रश्न 3.
मानव पूँजी निर्माण से आप क्या समझते
उत्तर:
मानवीय संसाधनों अथवा मनुष्यों को अधिक कुशल, शिक्षित, प्रशिक्षित एवं अनुभवी बनाना ही मानव पूंजी निर्माण करना है।

प्रश्न 4.
मानव पूँजी निर्माण के मुख्य स्रोत कौनकौनसे हैं?
उत्तर:
मानव पूँजी निर्माण के मुख्य स्रोत शिक्षा में निवेश, स्वास्थ्य में निवेश, कार्य के दौरान प्रशिक्षण, प्रवसन, सूचना प्राप्त करना इत्यादि हैं।

प्रश्न 5.
भौतिक पूँजी एवं मानव पूंजी में कोई एक अन्तर बताइए।
उत्तर:
भौतिक पूँजी में मानवीय पूंजी की तुलना में अधिक गतिशीलता पाई जाती है।

प्रश्न 6.
भौतिक पूँजी एवं मानवीय पूँजी में कोई एक समानता बताइए।
उत्तर:
भौतिक पूंजी एवं मानवीय पूँजी दोनों में ही | समय के साथ-साथ मूल्य-हास होता है।

प्रश्न 7.
मानव पूंजी निर्माण का कोई एक लाभ बताइए।
उत्तर:
मानव पूँजी निर्माण देश की समृद्धि एवं विकास में सहायक होता है।

प्रश्न 8.
मनुष्य द्वारा कार्यों को कुशलतापूर्वक करने हेतु किन तत्त्वों की आवश्यकता होती है?
उत्तर:
कार्यों को कुशलतापूर्वक करने हेतु अच्छे प्रशिक्षण एवं कौशल की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 9.
शिक्षित श्रम के कोई दो लाभ बताइए।
उत्तर:

1. शिक्षित श्रम अधिक उत्पादक होते हैं।
2. शिक्षित श्रम नई प्रौद्योगिकी को अपनाने में सहायक होते हैं।

प्रश्न 10.
शिक्षा के कोई दो लाभ बताइए।
उत्तर:

1. उपार्जन क्षमता में वृद्धि होती है।
2. श्रम शक्ति को अधिक उत्पादक बनाया जा सकता है।

प्रश्न 11.
व्यक्ति शिक्षा पर निवेश क्यों करता है?
उत्तर:
व्यक्ति अपनी भविष्य की आय में वृद्धि के लिए शिक्षा पर निवेश करता है।

प्रश्न 12.
शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी हस्तक्षेप के पक्ष में कोई एक तर्क दीजिए।
उत्तर:
सरकारी हस्तक्षेप के माध्यम से शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में निजी क्षेत्र के एकाधिकार एवं शोषण को रोका जा सकता है।

प्रश्न 13.
भारत में मानव पूंजी निर्माण के मार्ग में आने वाली कोई दो बाधाएँ अथवा समस्याएँ बताइए।
उत्तर:

1. निर्धनता एवं बेरोजगारी की समस्या
2. निरक्षरता की समस्या।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 14.
शिक्षा क्षेत्र को नियोजित करने वाली कोई दो सरकारी संस्थाओं के नाम बताइए।
उत्तर:

1. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद्
2. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग।

प्रश्न 15.
भारत में चिकित्सा क्षेत्र को नियोजित करने वाले किन्हीं दो सरकारी संगठनों के नाम बताइए।
उत्तर:

1. स्वास्थ्य मन्त्रालय
2. भारतीय चिकित्सा अनुसन्धान परिषद्।

प्रश्न 16.
युवा साक्षरता दर में किस आयु वर्ग की साक्षरता दर की गणना की जाती है?
उत्तर:
युवा साक्षरता दर में 15 से 24 वर्ष की आयु वर्ग की साक्षरता की गणना की जाती है।

प्रश्न 17.
भारत सरकार द्वारा कितना 'शिक्षा उपकर' लगाया जाता है?
उत्तर:
भारत सरकार द्वारा सभी केन्द्रीय करों पर 2 प्रतिशत का शिक्षा उंपकर लगाया जाता है।

प्रश्न 18.
शिक्षा उपकर से प्राप्त राजस्व का उपयोग किस कार्य में किया जाता है?
उत्तर:
शिक्षा उपकर से प्राप्त राजस्व को प्राथमिक शिक्षा पर व्यय करने हेतु सुरक्षित रखा जाता है।

प्रश्न 19.
व्यक्ति की उपार्जन क्षमता का संवर्द्धन करने वाले कोई दो कारक बताइए।
उत्तर:

1. शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएँ।
2. कार्य के दौरान प्रशिक्षण।

प्रश्न 20.
शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्रों में सरकारी हस्तक्षेप के पक्ष में दो तर्क दीजिए।
उत्तर:

1. निजी क्षेत्र के एकाधिकार को रोकना।
2. निर्धन वर्ग को पर्याप्त सेवाएँ उपलब्ध करवाना।

प्रश्न 21.
भारत में उच्च शिक्षा में सुधार हेतु कोई दो सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. सरकार को उच्च शिक्षा हेतु अधिक धन का आबंटन करना चाहिए।
2. उच्च शिक्षा संस्थानों के स्तर में सुधार।

प्रश्न 22.
वयस्क साक्षरता दर में किस आयु वर्ग की साक्षरता की गणना की जाती है?
उत्तर:
वयस्क साक्षरता दर में 15 वर्ष से अधिक आयु : वर्ग की साक्षरता दर की गणना की जाती है।

प्रश्न 23.
भारत सरकार ने 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार किस संविधान संशोधन में घोषित किया?
उत्तर:
86वां संविधान संशोधन।

प्रश्न 24.
मानव पूंजी निर्माण करने के कोई दो उपाय |बताइए।
उत्तर:

1. देश में शिक्षा में निवेश किया जाना चाहिए।
2. देश में चिकित्सा सेवाओं में निवेश किया जाना चाहिए।

प्रश्न 25.
मानवीय पूँजी की आर्थिक विकास में कोई एक भूमिका बताइए।
उत्तर:
मानवीय पूँजी से श्रम को प्रशिक्षित कर उसे अधिक कार्यकुशल एवं उत्पादक बनाया जा सकता है।

प्रश्न 26.
प्रवसन अथवा पलायन से किस प्रकार मानव पूँजी का निर्माण होता है?
उत्तर:
इसमें लोग कम वेतन का स्थान छोड़कर अधिक वेतन वाले स्थान पर जाते हैं, जिससे उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि होती है।

प्रश्न 27.
नारी शिक्षा के प्रोत्साहन की कोई एक आवश्यकता बताइए।
उत्तर:
नारी शिक्षा, प्रजनन दर एवं बच्चों के स्वास्थ्य सम्बन्धी देखभाल पर अनुकूल प्रभाव डालती है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 28.
भारत में शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु कोई एक सुझाव दीजिए।
उत्तर:
शिक्षा पर किए जाने वाले व्यय में वृद्धि करनी चाहिए।

प्रश्न 29.
भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की कोई दो समस्याएँ बताइए।
उत्तर:

1. निर्धनता के कारण भारत में लोग कुपोषण का शिकार होते हैं।
2. भारत में स्वास्थ्य सेवाओं का नितान्त अभाव है।

प्रश्न 30.
सामाजिक आधार डाँचे में सम्मिलित कोई दो घटक बताइए।
उत्तर:

1. शिक्षा
2. स्वास्थ्य

लघूत्तरात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1.
मानव विकास के कोई तीन संकेतकों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:

1. शिक्षा: जिस देश में साक्षरता दर ऊँची होती है वहाँ पर मानव विकास का स्तर भी ऊँचा होता है।
2. स्वास्थ्य सुविधाएँ: जहाँ स्वास्थ्य सुविधाएँ पर्याप्त होंगी वहाँ मानव विकास का स्तर ऊँचा होगा।
3. प्रशिक्षण: कर्मचारियों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण का आर्थिक विकास पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रश्न 2.
शिक्षा एवं प्रशिक्षण का मानव जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर:
शिक्षा एवं प्रशिक्षण का मानव जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। किसी भी कार्य को कुशलतापूर्वक एवं कौशल के साथ करने हेतु प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है तथा शिक्षा के माध्यम से भी श्रम को आसानी से कुशल एवं प्रशिक्षित बनाया जा सकता है, अत: शिक्षा एवं प्रशिक्षण से लोगों की आय उपार्जन क्षमता बढ़ती है जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होता है। इसके साथ ही शिक्षा एवं प्रशिक्षण की सहायता से लोगों को उच्च सामाजिक स्थिति एवं गौरव की प्राप्ति होती है।

प्रश्न 3.
शिक्षा का समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?
अथवा
शिक्षा सामाजिक विकास में किस प्रकार सहायक होती है?
उत्तर:

शिक्षा के माध्यम से लोगों को उच्च सामाजिक स्थिति एवं सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। शिक्षित व्यक्ति अपने जीवन में बेहतर विकल्पों का आसानी से चयन करने योग्य बन जाता है। शिक्षा व्यक्ति को समाज में चल रहे परिवर्तनों की बेहतर समझ प्रदान करती है तथा समाज में नवीन प्रौद्योगिकी एवं नव-परिवर्तनों को बढ़ावा मिलता है। इन सबके फलस्वरूप लोगों की आय व उत्पादन में वृद्धि होती है तथा सामाजिक स्थिति में सुधार होता है।

प्रश्न 4.
मानव पूँजी से आप क्या समझते हैं?
उत्तर:
मानवीय संसाधनों अथवा मनुष्यों को अधिक कुशल, शिक्षित, प्रशिक्षित एवं अनुभवी बनाना ही मानव पूँजी निर्माण कहलाता है। अत: मानव पूंजी निर्माण का तात्पर्य ऐसे लोगों की संख्या में वृद्धि करना है जो अधिक अनुभवी, अधिक प्रशिक्षित, अधिक कुशल एवं अधिक शिक्षित हों। उदाहरण के लिए, किसी छात्र को उच्च शिक्षा प्रदान कर उसे डॉक्टर, इंजीनियर, अध्यापक आदि बनाना मानव पूंजी निर्माण करना है।

प्रश्न 5.
मानव पूँजी निर्माण के प्रमुख स्रोतों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:

1. शिक्षा में निवेश: शिक्षा में निवेश द्वारा लोगों को अधिक उत्पादक एवं योग्य बनाया जा सकता है।
2. स्वास्थ्य में निवेश: स्वास्थ्य में निवेश द्वारा लोगों को उत्पादक बनाया जा सकता है।
3. कार्य के दौरान प्रशिक्षण: कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें अधिक कार्यकुशल बनाया जा सकता है।
4. प्रवसन: कम आय प्राप्त स्थान से अधिक आय प्राप्त वाले स्थान पर पलायन द्वारा भी मानव पूंजी का निर्माण किया जा सकता है।
5. सूचना प्राप्त करना: विभिन्न प्रकार की सूचनाओं द्वारा मनुष्य को अधिक जागरूक एवं उत्पादक बनाया जा सकता है।

प्रश्न 6.
स्वास्थ्य सेवाएँ किस प्रकार मानव पूँजी निर्माण को प्रभावित करती हैं?
अथवा
स्वास्थ्य सेवाएँ मानव पूँजी निर्माण में किस प्रकार सहायक हैं?
उत्तर:
एक स्वस्थ मनुष्य की काम करने की क्षमता एवं योग्यता एक अस्वस्थ व्यक्ति से सदैव अधिक होती है। स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश में वृद्धि कर लोगों को पर्याप्त मात्रा में स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध करवायी जाती हैं जिससे वे लोग सदैव स्वस्थ रहते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे सदैव उत्पादक बने रहते हैं तथा अस्वस्थ व्यक्ति भी स्वस्थ होकर उत्पादक बन जाते हैं। इससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

प्रश्न 7.
किसी फर्म द्वारा अपने कर्मचारियों को किन विधियों द्वारा प्रशिक्षित किया जा सकता है?
उत्तर:
किसी फर्म द्वारा अपने कर्मचारियों को कई तरीकों से प्रशिक्षित किया जा सकता है। फर्म अपने कर्मचारियों को

https://www.evidyarthi.in/

अपने कार्य-स्थान पर ही पहले से काम को जानने वाले कुशल कर्मियों द्वारा प्रशिक्षित करा सकती है। इसके अतिरिक्त एक अन्य विधि के अन्तर्गत फर्म अपने कर्मचारियों को किसी अन्य स्थान/संस्थान में प्रशिक्षण पाने हेतु भेज सकती है।

प्रश्न 8.
अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने से फर्म को क्या लाभ प्राप्त होता है?
उत्तर:
एक फर्म अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षित कर उन्हें अधिक कार्यकुशल बना सकती है। प्रशिक्षण से फर्म को कई लाभ प्राप्त होते हैं, प्रशिक्षित कर्मचारी अधिक उत्पादक होते हैं जिससे फर्म के उत्पादन में वृद्धि होती है तथा अधिक उत्पादन से फर्म को अधिक लाभ की प्राप्ति होती है। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए उत्पादन की गुणवत्ता में भी वृद्धि होती है जिसका लाभ भी फर्म को प्राप्त होता है।

प्रश्न 9.
भारत में मानव पूँजी निर्माण की मुख्य समस्याएँ क्या हैं?
उत्तर:
भारत में मानव पूँजी निर्माण की मुख्य समस्याएँ निम्न प्रकार हैं

1. भारत में निर्धनता एवं बेरोजगारी की समस्या से मानव पूंजी निर्माण में बाधा उत्पन्न होती है।
2. भारत में साक्षरता दर कम है।
3. भारत में श्रम में कार्यकुशलता एवं प्रशिक्षण का अभाव पाया जाता है।
4. देश में चिकित्सा सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।
5. देश में शिक्षा सुविधाओं का अभाव है।
6. देश की जनसंख्या में तीन वृद्धि हो रही है एवं देश में संसाधनों का अभाव है।

प्रश्न 10.
मानव विकास के विभिन्न संकेतकों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर:
मानव विकास के प्रमुख संकेतक निम्न प्रकार:

1. मृत्यु दर एवं शिशु मृत्यु दर में कमी आए।
2. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा दर में वृद्धि हो।
3. साक्षरता दर में वृद्धि हो।
4. लोगों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध हों।
5. वास्तविक प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हो आदि।

प्रश्न 11.
"सूचना प्राप्त करने पर किया गया व्यय भी मानव पूंजी निर्माण का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।" स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
सूचना प्राप्त करने पर किया गया व्यय पूँजी निर्माण का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है। सूचनाओं के माध्यम से दूसरे देशों तथा दूसरे बाजारों की जानकारी प्राप्त होती है, साथ ही दूसरे बाजारों की शैक्षिक संस्थाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की

जानकारी प्राप्त होती है। इन सबके फलस्वरूप श्रमिकों एवं मानव पूंजी की जानकारी बढ़ती है तथा इससे उनकी कुशलता एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है। अतः सूचना प्राप्त करने पर किया गया व्यय मानव पूंजी निर्माण का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत है।

प्रश्न 12.
भौतिक पूँजी एवं मानव पूँजी में कोई दो अन्तर बताइए।
उत्तर:

1. भौतिक पूँजी अन्य वस्तुओं की तरह दृश्य होती है तथा इसे बाजार में बेचा जा सकता है जबकि मानव पूंजी अदृश्य होती है तथा इसे बाजार में नहीं बेचा जा सकता है, मानव पूंजी की केवल सेवाओं को बेचा जा सकता है।
2. भौतिक पूँजी में अधिक गतिशीलता पाई जाती है, जबकि मानव पूँजी की गतिशीलता अपेक्षाकृत कम होती है।

प्रश्न 13.
"मानव पूँजी की वृद्धि के कारण आर्थिक संवृद्धि होती है।" क्या इस कथन को व्यावहारिक साक्ष्य के आधार पर सत्य सिद्ध किया जा सकता है?
उत्तर:
इसे सिद्ध करने हेतु व्यावहारिक साक्ष्य अभी स्पष्ट नहीं है। इसका मुख्य कारण मापन की समस्या है। जैसे उदाहरण हेतु स्कूल वर्षों की गणना, शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात, नामांकन आदि के आधार पर शिक्षा का मापन उसकी गुणवत्ता को आर्थिक रूप से व्यक्त नहीं कर पाता। इसी प्रकार स्वास्थ्य सेवाओं पर मौद्रिक व्यय, जीवनप्रत्याशा तथा मृत्यु दर आदि से देश की जनसंख्या के वास्तविक स्वास्थ्य स्तर का सही ज्ञान नहीं होता। अत: उपर्युक्त कथन को व्यावहारिक साक्ष्य के आधार पर सत्य सिद्ध नहीं किया जा सकता।

प्रश्न 14.
भारत को ज्ञानाधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करने का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या
प्रभाव पड़ेगा?
उत्तर:
भारत को एक ज्ञानाधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करने का भविष्य में अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट 'भारत और ज्ञान अर्थव्यवस्था शक्तियों और अवसरों का सदुपयोग' के अनुसार भारत अपने आप को एक ज्ञानाधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तन कर सकता है, यदि यह भी आयरलैण्ड के समान ज्ञान का प्रयोग करे तो भारत की प्रति व्यक्ति आय 2020 में वर्तमान अनुमान 1000 अमरिका डालर से बढ़कर 3000 डॉलर हो सकती है जिसका अर्थव्यवस्था पर कई दृष्टियों से सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्रश्न 15.
भारत में मानव पूँजी निर्माण हेतु मुख्य रूप से किन स्त्रोतों पर विशेष ध्यान दिया गया है?
उत्तर:
भारत में मानव पूंजी निर्माण हेतु शिक्षा तथा स्वास्थ्य सुविधाओं पर निवेश पर विशेष ध्यान दिया गया है। भारत एक विकासशील राष्ट्र है तथा यहाँ पर लोगों की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण उनमें शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है, जिससे मानव पूंजी निर्माण में बाधा आती है। अतः भारत में केन्द्र सरकार, राज्य सरकार तथा स्थानीय निकायों के स्तर पर शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि मानव पूँजी निर्माण हो सके।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 16.
भारत जैसे विकासशील देश में मानव पूँजी निर्माण हेतु कोई तीन सुझाव दीजिए।
उत्तर:

1. भारत जैसे देशों में साक्षरता दर अत्यन्त कम है अतः शिक्षा के विस्तार एवं विकास हेतु सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करनी चाहिए।
2. देश में स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव के कारण लोगों का स्वास्थ्य सही नहीं है, अतः देश में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करना चाहिए।
3. देश में श्रमिकों को तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए ताकि वे अधिक उत्पादक एवं कुशल बन सकें।

प्रश्न 17.
भारत में शिक्षा के क्षेत्र में सार्वजनिक व्यय की आवश्यकता क्यों है?
उत्तर:
भारत एक विकासशील देश है तथा यहाँ के लगभग 22 प्रतिशत लोग निर्धनता रेखा से नीचे रहते हैं जिनके पास शिक्षा पर व्यय करने हेतु धन नहीं है, अत: वे अशिक्षित ही रहते हैं। इसके अतिरिक्त निजी शैक्षणिक संस्थाओं में शिक्षा काफी महंगी पड़ती है। अतः देश में साक्षरता दर बढ़ाने एवं निर्धन लोगों को शिक्षा उपलब्ध करवाने हेतु सार्वजनिक व्यय करने की अति आवश्यकता है ।

प्रश्न 18.
क्या भारत में शिक्षा पर सार्वजनिक व्यय में निरन्तर वृद्धि हो रही है?
उत्तर:
भारत में विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं में शिक्षा पर व्यय को विशेष महत्त्व दिया गया है तथा विभिन्न योजनाओं में शिक्षा पर किए व्यय में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वर्ष 1952 में शिक्षा पर कल सरकारी व्यय का 7.92 प्रतिशत व्यय किया गया तथा यह व्यय बढ़कर 2014 में 15.7 प्रतिशत हो गया।

प्रश्न 19.
भारत में शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्रों के नियमन हेतु स्थापित संस्थाओं के नाम बताइए।
उत्तर:
शिक्षा क्षेत्र के नियमन हेतु स्थापित संस्थाएँ:

1. शिक्षा मंत्रालय
2. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
3. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
4. अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्।

स्वास्थ्य क्षेत्र के नियमन हेतु स्थापित संस्थाएँ:

1. चिकित्सा मंत्रालय
2. विभिन्न संस्थाओं के स्वास्थ्य विभाग
3. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्।

प्रश्न 20.
"भारत में शिक्षा पर किया गया व्यय वांछित स्तर से काफी कम है।" स्पष्ट कीजिए।
उत्तर:
भारत में शिक्षा पर किया गया व्यय वांछित स्तर से कम है। विभिन्न आयोगों के द्वारा शिक्षा व्यय के वांछित स्तर के साथ यदि शिक्षा व्यय की तुलना की जाए तो शिक्षा व्यय की अपर्याप्तता स्पष्ट हो जाएगी। वर्ष 1964-66 में नियुक्त शिक्षा आयोग के अनुसार शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में उल्लेखनीय सुधार लाने हेतु सकल घरेलू उत्पाद का कम-से-कम 6 प्रतिशत शिक्षा पर व्यय किया जाना चाहिए, जबकि वर्तमान में भारत में सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4 प्रतिशत ही व्यय किया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/